

RPSC College lecturer BOTANY Syllabus 2022

Introduction:-

हमारे द्वारा Rajasthan Public Service Commission (RPSC) College lecturer भर्ती के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई अगर आप राजस्थान College lecturer परीक्षा की तैयारी कर रहे हो तो पोस्ट आपके लिए अति महत्वपूर्ण है इस आर्टिकल में College lecturer के सिलेबस के बारे में जानकारी दी गई है साथ ही आप अपने सब्जेक्ट के अनुसार नीचे दी गई लिंक के द्वारा PDF डाउनलोड कर सकते है वे उम्मीदवार जिन्होंने इसका ऑनलाइन आवेदन किया है उनके लिए निवनतम एग्जाम पैटर्न दिया गया है जो आपके लिए तैयारी करने में काम आएगा।

NAME OF SELECTION BOARD	Rajasthan Public Service Commission
POSTS NAME	RPSC College lecturer
OFFICIAL WEBSITE	Rpsc.rajasthan.gov.in/
Category	Latest Syllabus
EXAM DATE	Coming soon

RPSC College lecturer Selection Process

- Written Examination
- Interview
- Merit List

Exam Pattern:-

Serial Number	Subject	Marks	Questions
1	Subject Paper-I	75	150
2	Subject Paper-II	75	150

3	GENERAL STUDIES OF RAJASTHAN	50	100
---	---------------------------------	----	-----

कुछ महत्वपूर्ण जानकारी

Subject Paper

Note : Pattern of Question Paper

1. Objective type paper
2. Maximum Marks : 75
3. Number of Questions : 150
4. Duration of Paper : Three Hours
5. All questions carry equal marks .
6. There will be Negative Marking .

General Studies of Rajasthan

Note :- Pattern of Question Paper

1. Objective type paper
2. Maximum Marks : 50
3. Number of Questions : 100
4. Duration of Paper : Two Hours
5. All questions carry equal marks.
6. There will be Negative Marking.

RPSC College lecturer BOTANY Syllabus 2022 Topic Wise

PAPER-I

1 विविध आवासों में शैवाल (स्थलीय, ताजे पानी, समुद्री); तैलस विभिन्न वर्गों/समूहों में संगठन, कोशिका संरचना और प्रजनन; मानदंड शैवाल के वर्गीकरण में; शैवाल का आर्थिक महत्व।

2 कवक के विभिन्न वर्गों/समूहों में सामान्य विशेषता, कोशिका अल्ट्रा संरचना, कोशिका भित्ति संरचना, प्रजनन, विषमलैंगिकता, परा कामुकता, हाल के रुझान वर्गीकरण में, कवक, माइकोराइजा और लाइकेन का आर्थिक महत्व।

3 आर्कबैक्टीरिया, यूबैक्टेरिया और साइनोबैक्टीरिया, अल्ट्रा-स्ट्रक्चर और प्रजनन, प्रियन, एल-फॉर्म, विरोइड्स, विशेषताओं और विषाणुओं की अल्ट्रा संरचना, माइकोप्लाज्मा, स्पाइरोप्लाज्मा और फाइटोप्लाज्मा - सामान्य लक्षण और भूमिका पौधों की बीमारियों का कारण, जल, वायु और मिट्टी की सूक्ष्म जीव विज्ञान।

4 पादप रोगजनकों के कारण होने वाले रोगों का सामान्य विवरण, परपोषी का आणविक आधारपरजीवी संपर्क, रोगजनक हमला और रक्षा तंत्र, के रोग राजस्थान की महत्वपूर्ण खेत की फसलें (गन्ने की लाल सड़न, गेहूँ की जंग, ढकी हुई) गेहूँ का मैल, गेहूँ का ढीला धब्बा, बाजरे का हरित कान का रोग, पत्ती धब्बा और ज्वार की स्मट, बाजरा का अरगट और स्मट, सब्जियों की जड़ गांठ और सड़न रोग; रोग नियंत्रण और सूचना प्रौद्योगिकी की भूमिका।

5 सामान्य चरित्र, संरचना, प्रजनन, विकास और अंतर्संबंध ब्रायोफाइट्स, टेरिडोफाइट्स और जिम्नोस्पर्म। स्टील का विकास; हेटेरोस्पोरी और बीज आदत, पुरावनस्पति विज्ञान के सिद्धांत।

6 टैक्सोनोमिक पदानुक्रम, नामकरण के सिद्धांत, टैक्सोनोमिक टूल्स, महत्वपूर्ण वर्गीकरण की प्रणालियाँ (बेंथम और हुकर, एंगलर और प्रांटल, हचिंसन) और तख्तजन) आकृति विज्ञान, शरीर रचना विज्ञान, भ्रूणविज्ञान, पैलिनोलॉजी की भूमिका, में कोशिका विज्ञान, फाइटोकेमिस्ट्री, जीनोम विश्लेषण और न्यूक्लिक एसिड संकरण राजस्थान के कुछ चुने हुए परिवारों की वर्गीकरण, वर्गीकरण (लेगुमिनोसी) Cucurbitaceae, Asteraceae, Asclepiadeceae, Solanaceae, Euphorbiaceae and पोएसीएई), एंजियोस्पर्मों की फाईलोजेनी।

7 पादप आकृति विज्ञान की सामान्य अवधारणा - पुष्प की उत्पत्ति और विकास। प्राचीन जीवित एंजियोस्पर्म, पर्ण पुंकेसर, खुले कार्पेल, जड़ और प्ररोह का संगठन एपिकल मेरिस्टेम।

8 नर और मादा गैमेटोफाइट्स, परागण, पराग स्त्रीकेसर का विकास अंतःक्रिया, निषेचन, भ्रूणपोष विकास और भ्रूणजनन, बीज विकास और फल निर्माण, बहुभ्रूण अपोमिक्सिस, भ्रूण संवर्धन,

फलों की परिपक्वता की जैव रसायन और आणविक जीव विज्ञान।

9 पारिस्थितिकी की बुनियादी अवधारणाएं, पौधों की वृद्धि को प्रभावित करने वाले पारिस्थितिक कारक, सिद्धांत सीमित कारक, जनसंख्या विशेषताएँ, जनसंख्या परस्पर क्रिया, r और K चयन, वंशावली और सीमा विस्तार, सामुदायिक विशेषताएं, सामुदायिक वर्गीकरण, सातत्य अवधारणा, पारिस्थितिक आला, पौधा विभिन्न आवासों में उत्तराधिकार, चरमोत्कर्ष की अवधारणा। की संरचना और कार्य पारिस्थितिकी तंत्र, ऊर्जा प्रवाह और जैव-भू-रासायनिक चक्र (एन, पी, सी, एस), प्राथमिक उत्पादन, पादप संकेतक, विश्व के प्रमुख बायोम। Phytogeographical भारत के क्षेत्र, राजस्थान की वनस्पति। पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएं।

10 पर्यावरण प्रदूषण- वायु, जल, ध्वनि और मिट्टी, ग्रीन हाउस प्रभाव, ओजोन परत रिक्तीकरण, अम्ल वर्षा, जैव विविधता की अवधारणा के विशेष संदर्भ में भारत, हॉट स्पॉट, वनस्पतियों और जीवों के संरक्षण के लिए रणनीतियाँ, जैव निगरानी, पर्यावरण प्रभाव आकलन।

11 पौधों की सभ्यता, उत्पत्ति के केंद्र, जीन विविधता, उपयोग, खेती और भोजन के पौधों में सुधार (चावल, गेहूं, बाजरा, दालें, हरे चने, मोठ और सेम) तिलहन (सरसों, सोयाबीन और मूंगफली), दवाएं (रौवोल्फिया, एफेड्रा, पापवर, एट्रोपा, सिनकोना और विथानिया), फाइबर - कपास, जूट और कॉयर और औद्योगिक मूल्य के पौधे - तंबाकू, गन्ना, चाय और कॉफी। एथनोबोटनी, विशेष के साथ संभावित औषधीय और खाद्य मूल्य के अल्प-शोषित पौधे राजस्थान के संदर्भ में

12 प्रकाश और इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी (टीईएम और एसईएम), कन्फोकल इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी, चरण विपरीत, निर्धारण और धुंधला हो जाना, एचपीएलसी, वैद्युतकणसंचलन, एलिसा, स्पेक्ट्रोफोटोमेट्री, सेंट्रीफ्यूजेशन।

PAPER-II

1 पौधे-जल संबंध, झिल्ली परिवहन और पानी का स्थानान्तरण और विलेय

2 एंजाइम - वर्गीकरण, क्रिया का तंत्र, चयापचय में भूमिका, एंजाइम, कैनेटीक्स, एंजाइम गतिविधि का विनियमन, सक्रिय साइट, कोएंजाइम, उत्प्रेरक और अवरोधक, आइसोजाइम।

3 प्रकाश संश्लेषण - पिगमेंट, फोटोफॉस्फोराइलेशन, का तंत्र
C4 पौधों में प्रकाश संश्लेषण, प्रकाश श्वसन, प्रकाश संश्लेषण, CAM।

4 नाइट्रोजन चयापचय - अमीनो एसिड चयापचय और प्रोटीन संश्लेषण।
फैटी एसिड चयापचय। सिग्नल ट्रांसडक्शन: सिंहावलोकन रिसेप्टर्स और जी-
प्रोटीन, बैक्टीरिया और प्रोटीन में विशिष्ट संकेतन तंत्र।

5 श्वसन - ग्लाइकोलाइसिस, टीसीए चक्र, ऑक्सीडेटिव फास्फारिलीकरण,
ग्लाइकोजन का टूटना, हेक्सोज और पेन्टोज का अंतर रूपांतरण।

6 बीज सुप्तता और अंकुरण, वृद्धि का हार्मोनल विनियमन और
विकास। शारीरिक प्रभाव और ऑक्सिन की क्रिया का तंत्र, जिबरेलिन्स, साइटोकिनिन्स, एथिलीन, एब्सिसिक एसिड और
जैस्मोनिक एसिड, प्लांट
लय और जैविक घड़ी, द्वितीयक मेटाबोलाइट्स, पौधों की प्रतिक्रियाएं
जैविक और अजैविक तनाव। पुष्पन का शरीर क्रिया विज्ञान- फोटोपेरियोडिज्म और वैश्वीकरण।

7 प्रोकैरियोटिक और यूकेरियोटिक कोशिकाओं की अल्ट्रा संरचना, कोशिका झिल्ली संरचना और कार्य, कोशिका अंग-
संरचना और कार्य, न्यूक्लियस -
संरचना, परमाणु छिद्र, डीएनए संरचना - ए, बी और जेड रूप, प्रतिकृति,
क्षति और मरम्मत, प्रतिलेखन, स्प्लिसिंग और न्यूक्लियोलस, कोशिका चक्र,
क्रोमेटिन की संरचना और उसका संगठन, विशेष प्रकार के
गुणसूत्र, बैंडिंग पैटर्न, गुणसूत्र विपथन और बहुगुणित।

8 यूकेरियोट और प्रोकैरियोट ऑर्गेनेल के जेनेटिक्स, मैपिंग
बैक्टीरियोफेज जीनोम, आनुवंशिक परिवर्तन, संयुग्मन और
बैक्टीरिया में पारगमन, माइटोकॉन्ड्रिया के आनुवंशिकी और साइटोप्लाज्मिक पुरुष बाँझपन सेल बायोलॉजी में तकनीक-
इन सीटू हाइब्रिडाइजेशन फिश, जीआईएसएच, जेनेटिक कोड, प्रतिलेखन और अनुवाद, ऑपेरॉन मॉडल, आरएनए
पोलीमरेज़।

9 आनुवंशिक मानचित्रण: स्वतंत्र वर्गीकरण और क्रॉसिंग ओवर, आणविक पुनर्संयोजन का तंत्र, गुणसूत्र मानचित्रण,
लिंगेज समूह।
स्वतःस्फूर्त और प्रेरित उत्परिवर्तन का आणविक आधार और में उनकी भूमिका
विकास, पादप प्रजनन के सिद्धांत, के महत्वपूर्ण पारंपरिक तरीके

स्व और पर परागण और वानस्पतिक रूप से प्रचारित फसलें, उत्परिवर्तन प्रजनन।

10 बुनियादी अवधारणाएं, सिद्धांत और जैव प्रौद्योगिकी, प्लांट सेल और की गुंजाइश टिशू कल्चर, टोटिपोटेंसी की अवधारणा, ऑर्गोजेनेसिस द्वारा माइक्रोप्रोपेगेशन और साहसी प्ररोह कलिका विभेदन, अक्षीय कली प्रसार और भ्रूणजनन, दैहिक संकरण - प्रोटोप्लास्ट अलगाव, संलयन और संस्कृति; कृत्रिम बीज, संकर और सोमाक्लोन का उत्पादन, संकर, द्वितीयक चयापचयों और जैव सक्रिय यौगिकों का उत्पादन।

11 पुनर्संयोजन डीएनए प्रौद्योगिकी: प्रतिबंध एंजाइम, रिवर्स ट्रांस्क्रिप्टेज़ जीन क्लोनिंग, सिद्धांत और तकनीक, का निर्माण जीनोमिक/एस, डीएनए पुस्तकालय, डीएनए संश्लेषण और अनुक्रमण, पोलिमेरेज़ चेन रिएक्शन, डीएनए फिंगर प्रिंटिंग। पौधों की जेनेटिक इंजीनियरिंग: उद्देश्य, ट्रांसजेनिक्स, एगोबैक्टीरियम और के विकास के लिए रणनीतियाँ पौधों में माइक्रोजेक्शन मध्यस्थता जीन स्थानांतरण, बौद्धिक संपदा अधिकार और संभावित पारिस्थितिक जोखिम और नैतिक चिंताएं, माइक्रोबियल आनुवंशिक हेरफेर। संरचनात्मक और कार्यात्मक जीनोमिक्स, माइक्रोएरे, जीनोम अनुक्रमण परियोजनाएं (चावल, गेहूं, चूजे के विशेष संदर्भ में) मटर और टमाटर) और प्रोटिओमिक्स।

12 जैविक अनुसंधान में सांख्यिकीय विधियों के सिद्धांत और अभ्यास, नमूने और जनसंख्या, डेटा संग्रह और प्रसंस्करण, बुनियादी आंकड़े (औसत, फैलाव के आंकड़े, भिन्नता का गुणांक, मानक त्रुटि और विचलन); विश्वास सीमा, प्रायिकता, वितरण (द्विपद, पाईसन और सामान्य) सांख्यिकीय महत्व के परीक्षण, सरल सहसंबंध और प्रतिगमन, विचरण का विश्लेषण।

RPSC College lecturer Syllabus 2022 Subjects Wise

General Studies of Rajasthan Paper Syllabus
Zoology Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Sociology Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Public Administration Paper-1 & Paper-2 Syllabus

Psychology Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Political Science Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Physics Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Philosophy Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Music (Vocal) Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Music (Instrumental) Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Mathematics Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Library Science Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Law Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Accountancy And Business Statistics Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Geology Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Geography Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Chemistry Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Botany Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Dyeing And printing Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Economic Administration & Financial Management (E.A.F.M.) Paper-1 & Paper-2 Syllabus
English Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Persian Paper-1 & Paper-2 Syllabus
History Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Economics Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Computer Science Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Drawing & Painting Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Hindi Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Sanskrit Paper-1 & Paper-2 Syllabus
Sindhi Paper-1 & Paper-2 Syllabus

IMPORTANT LINKS
RPSC College lecturer Syllabus PDF
Official Website

इस नोटिफिकेशन से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण प्रश्न:-

1. **RPSC College lecturer कितने अंको का होता है?**

उत्तर: General Studies of Rajasthan -50

Paper-1 & Paper-2 -150

2. RPSC College lecturer पेपर में कितने प्रश्न आते हैं?

उत्तर: General Studies of Rajasthan -100

Paper-1 & Paper-2 -300

3. RPSC College lecturer पेपर में कितना समय मिलता है?

उत्तर: General Studies of Rajasthan -2 hours

4. RPSC College lecturer Syllabus in hindi. ?

उत्तर: इस नोटिफिकेशन में आप देख सकते हो।

शिक्षा जगत की लेटेस्ट अपडेट पाने के लिए हमारे टेलीग्राम चैनल को
सब्सक्राइब करें



Telegram Channel Link

<https://t.me/helpstudentpoint>

Visit Our Website

www.HelpStudentPoint.com

Download Our Mobile App

<https://bit.ly/appshsp>